भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र पर कृषि-ड्रोन का प्रदर्शन

ड्रोन के कृषि मे उपयोगिता को देखते हुए, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुशंधान केंद्र, अजमेर में 11 अक्टूबर को कृषि-ड्रोन की कार्य प्रणाली पर प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र नाथ सक्सेना एवं कृषि विज्ञानं केंद्र, अजमेर के प्रभारी डॉ डी.एस. भाटी के साथ-साथ संस्थान के निकटवर्ती क्षेत्र के कृषक, कृर्षि संकाय के विद्यार्थी, और केंद्र के समस्त वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थिति रहे। इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक, डॉ. सक्सेसना ने ड्रोन की उपयोगिता जैसे पेस्टिसाइड का छिड़काव, नैनो यूरिया, लिक्विड फार्मूलेशन के छिड़काव और फसल निगरानी जैसे कई बिंदुओं पर जोर दिया। उन्होंने बताया की मौजूदा केंद्र की सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने इस क्षेत्र के हितधारकों के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी को वहनीय बनाने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत कृषि अनुसंधान परिषद् के कई संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को "कृषि ड्रोन परियोजना " के तहत ड्रोन की खरीदारी और उसके प्रदर्शन के लिए बजट मुहैया कराया गया है। सरकार की "कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन" (एसएमएएम) के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया है, जिससे बडे पैमाने पर कृषि ड्रोन की खरीददारी कर किसानों के खेतों में इस तकनीक को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित किया जाये। इसमें सरकार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के लिए एवं किसानों के खेतों पर अपने प्रदर्शन के लिए कृषि ड्रोन की लागत का 75% तक अनुदान का प्रावधान रखा है।

इस अवसर पर ड्रोन की उपयोगिता को बताते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ डी.एस. भाटी ने ड्रोन को किसान और नवयुको के अनुकूल बताया। इससे प्रत्यक्ष रूप से किसानो के स्वास्थ्य पर पेस्टिसाइड के छिड़काव के दौरान बुरा प्रभाव के होने की संभावना नगण्य के बराबर होगी |उन्होंने बागवानी फसलों में छिडवाव के लिए ड्रोन के महत्वक के बारे में बताया। इस अवसर पर ड्रोन के प्रदर्शन को बेर के बगीचे में, खेतो में नैनो यूरिया का छिड़काव कर दिखाया गया। इस ड्रोन तकनिक को अग्रिबॉट, गुरुग्राम की कंपनी ने प्रदर्शित किया। अग्रिबॉट, आयोटी फर्म के प्रोडक्ट्स है, जो नागर विमानन महानिदेशालय, भारत सरकार (डी जी सी ऐ) से प्रमाणित और पंजीकृत है। इस परियोजना के नोडल अधिकारी श्री मुकेश कुमार विशाल ने बताया कि संस्थान बहुत जल्दी कृषि ड्रोन की खरीददारी कर किसानों के खेतों पर प्रदर्शन करने वाला है। किसान इस ड्रोन को किराये पर ले कर इस सुविधा का लाभ उठा सकते है। इस अवसर पर स्थानीय मिडिया के लोग भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ शिव लाल और मुकेश कुमार विशाल द्धारा किया गया।